कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (84) खण्ड - {167}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- बच्चों को हुल्लास में रहना है कि -

A- हमें भगवान पढ़ाते हैं

B- हम ही विश्व के मालिक बनने वाले हैं।

C- नयी दुनिया आयी कि आयी

D- हमें श्री लक्ष्मी- नारायण जैसा बनना है

प्रश्न 2- अतीन्द्रिय सुख का अनुभव उन बच्चों को हो सकता है -

A- जो सर्व संबंध एक बाप से ही रखते हैं

B- जो सदा खुशी में रहते हैं

C- जो सवेरे सवेरे उठ बड़े प्यार से बाबा को याद करते हैं

D- जो अविनाशी ज्ञान रत्नों से भरपूर हैं

प्रश्न 3- साइलेन्स की शक्ति का आधार है -

A- योग की शक्ति

B- कन्ट्रोलिंग पावर

C- दिव्य बुद्धि

D- पावनता

प्रश्न 4- सहयोगी बनना अर्थात्-

A- दुआओं के पात्र बनना

B- सदा साथ रहना

C- सेवाधारी बनना

D- महादानी बनना

प्रश्न 5- तुम किस के वारिस हो ?

A- ब्रह्मा के

B- स्वर्ग के

C- शिवबाबा के

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- विश्व में शान्ति कब थी ?

A- सतयुग में

B- जब लक्ष्मी-नारायण का राज्य था

C- नई दुनिया में

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- तुम ब्राह्मणों की है एक मत-

A- बाप को प्रत्यक्ष करने की

B- बाप समान बनने की

C- विश्व में शांति स्थापन करने की

D- सबको घर की राह बताने की

प्रश्न 8- अंत समय में हमारी सेफ्टी का साधन बनेगी ?

A- समाने की शक्ति

B- सामना करने की शक्ति

C- मन्सा शक्ति

D- समेटने की शक्ति

प्रश्न 9- आत्मा के आरगन्स हैं -

A- आंखे

B- कान

C- बुद्धि

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- इस शरीर की वैल्यु कब है ?

A- जब देवता बने तो

B- संगमयुग में

C- जब इसमें आत्मा प्रवेश करे

D- जब बाबा की याद में है

प्रश्न 11- किसी में ..... ज़रा भी न हो।

A- आकर्षण

B- मोह

C- लोभ

D- आसक्ति

प्रश्न 12- मन से स्वतः अच्छे वायब्रेशन फैलते है, सेवा होती है जब -

A- मन प्रसन्न है

B- मन में व्यर्थ नहीं है

C- सेट है,एकाग्र है

D- संतुष्ट है

प्रश्न 13- बेहद का वैराग्य है -

A- गृहस्थ व्यवहार में ट्रस्टी बन रहना।

B- घरबार छोड़ जंगल में जाना

C- बुद्धि से सारी पुरानी दुनिया का सन्यास करना

D- आत्मा समझ बाप को याद करना

प्रश्न 14- इस दुःखधाम को आग लगने वाली है इसलिए -

A- इससे अपना बुद्धियोग निकाल लेना है

B- बाप के वर्से का पूरा अधिकार लेने के लिए जीते जी मरना है

C- कोई भी उल्टी-सुल्टी बात सुनकर संशय में नहीं आना है

D- अपना सब कुछ सफल कर लेना है

प्रश्न 15- एडाप्ट किया ही जाता है -

A- वंश चलाने के लिए

B- धन दौलत के लिए

C- बच्चा बनाने के लिए

D- वर्सा देने के लिए

प्रश्न 16- रॉग क्या क्या है ?

A- मनुष्य कोई 8-10 भुजा वाले होते है।

B- द्वापर में गीता सुनाई

C- मोहजीत राजायें यह लक्ष्मी-नारायण आदि हैं

D- A और B

E- A, B और C

भाग (84) खण्ड {167} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.हमें श्री लक्ष्मी-नारायण जैसा बनना है*

सदा यही हुल्लास रहे कि हमें इन लक्ष्मी-नारायण जैसा बनना है, इसका पुरुषार्थ करना है। दिलशिकस्त कभी नहीं होना है क्योंकि यह पढ़ाई बहुत सहज है, घर में रहते भी पढ़ सकते हो, इसकी कोई फीस नहीं है, लेकिन हिम्मत जरूर चाहिए।

उत्तर 2- *D.जो अविनाशी ज्ञान रत्नों से भरपूर हैं*

अतीन्द्रिय सुख का अनुभव उन बच्चों को हो सकता है जो अविनाशी ज्ञान रत्नों से भरपूर हैं, उन्हें ही अतीन्द्रिय सुख का अनुभव हो सकता है। जो जितना ज्ञान को जीवन में धारण करते हैं उतना साहूकार बनते हैं। अगर ज्ञान रत्न धारण नहीं तो गरीब हैं। बाप तुम्हें पास्ट, प्रेजन्ट, फ्युचर का ज्ञान देकर त्रिकालदर्शी बना रहे हैं।

उत्तर 3- *C.दिव्य बुद्धि*

स्लोगन:- *दिव्य बुद्धि ही साइलेन्स की शक्ति का आधार है।*

उत्तर 4- *D.महादानी बनना*

जो भी ब्राह्मण जीवन में शक्तियों का, गुणों का, ज्ञान का वा श्रेष्ठ कमाई के समय का खजाना बाप द्वारा प्राप्त हुआ है वह सेवा में लगाओ अर्थात् सहयोगी बनो तो सहजयोगी बन ही जायेंगे। लेकिन सहयोगी वही बन

सकते हैं जो सम्पन्न है। *सहयोगी बनना अर्थात् महादानी बनना।

उत्तर 5- *C.शिवबाबा के*

तुम बिल्कुल गुप्त हो। तुम्हारी बुद्धि में अविनाशी ज्ञान रत्नों का खजाना भरा हुआ है। *बाप के तुम वारिस हो ना।* जितना बाप के पास खजाना है, तुमको भी पूरा भरना चाहिए। सारी मिलकियत आपकी है, परन्तु वह हिम्मत नहीं है तो ले नहीं सकते। लेने वाले ही ऊंच पद पायेंगे।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

यह आवाज़ सुनते रहते हैं कि विश्व में शान्ति कैसे हो? परन्तु विश्व में शान्ति कब थी जो फिर अब चाहते हैं - यह कोई नहीं जानते। तुम *बच्चे ही जानते हो विश्व में शान्ति थी जब इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था।* विश्व

में शान्ति अब स्थापन हो रही है। *सतयुग नई दुनिया में जहाँ शान्ति थी जरूर राज्य करने वाले भी होंगे।*

उत्तर 7- *C.विश्व में शान्ति स्थापन करने की*

दुनिया का क्या हाल हो गया है, क्या होने का है! तुम बच्चे जानते हो अनेक प्रकार की मतें हैं। *तुम ब्राह्मणों की है एक मत। विश्व में शान्ति स्थापन करने की मत।* तुम श्रीमत से विश्व में शान्ति स्थापन करते हो तो बच्चों को भी शान्ति में रहना पड़े। जो करेगा सो पायेगा। नहीं तो बहुत घाटा है।

उत्तर 8- *C.मन्सा शक्ति*

अन्त समय में अपनी सेफ्टी के लिए मन्सा शक्ति ही साधन बनेगी। मन्सा शक्ति द्वारा ही स्वयं की अन्त सुहानी बनाने के निमित्त बन सकेंगे। उस समय मन्सा शक्ति अर्थात् श्रेष्ठ संकल्प शक्ति, एक के साथ लाइन क्लीयर चाहिए। बेहद की सेवा के लिए, स्वयं की सेफ्टी

के लिए मन्सा शक्ति और निर्भयता की शक्ति जमा करो।

उत्तर 9- *C.बुद्धि*

हमारा स्वधर्म है शान्ति। तुम अभी शान्ति के लिए थोड़ेही कहाँ जायेंगे। मनुष्य मन की शान्ति के लिए साधू-सन्तों के पास भी जाते हैं ना। *अब मन-बुद्धि तो हैं आत्मा के आरगन्स।* जैसे यह शरीर के आरगन्स हैं वैसे मन, बुद्धि और चक्षु।

उत्तर 10- *C.जब इसमें आत्मा प्रवेश करे*

मीठे बच्चे - *इस शरीर की वैल्यु तब है जब इसमें आत्मा प्रवेश करे,* लेकिन सजावट शरीर की होती, आत्मा की नहीं।

उत्तर 11- *B.मोह*

तुम्हारा फ़र्ज है - अपने हमजिन्स को नर से नारायण, नारी से लक्ष्मी बनने की युक्ति बताना। तुम्हें अब भारत की सच्ची रूहानी सेवा करनी है। तुम्हें ज्ञान का तीसरा नेत्र मिला है तो तुम्हारी बुद्धि और चलन बड़ी रिफाइन होनी चाहिए। *किसी में मोह ज़रा भी न हो।*

उत्तर 12- *C.सेट है,एकाग्र है*

जैसे अपने स्थूल कार्य के प्रोग्राम को दिनचर्या प्रमाण सेट करते हो, ऐसे अपनी मन्सा समर्थ स्थिति का प्रोग्राम सेट करो तो संकल्प शक्ति जमा होती जायेगी। अपने मन को समर्थ संकल्पों में बिजी रखेंगे तो मन को अपसेट होने का समय ही नहीं मिलेगा। *मन सदा सेट अर्थात् एकाग्र है तो स्वत: अच्छे वायब्रेशन फैलते हैं, सेवा होती है।*

उत्तर 13- *C.बुद्धि से सारी पुरानी दुनिया का सन्यास करना*

भक्ति मार्ग में कितने धक्के हैं। ज्ञान, भक्ति फिर है वैराग्य। एक है हद का वैराग्य, दूसरा है बेहद का। सन्यासी घरबार छोड़ जंगल में रहते हैं, यहाँ तो वह बात नहीं। *तुम बुद्धि से सारी पुरानी दुनिया का सन्यास करते हो।* तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य है पढ़ना और पढ़ाना।

उत्तर 14- *A.इससे अपना बुद्धियोग निकाल लेना है*

बाप कहते हैं 5 विकारों का दान दो तो ग्रहण छूट जायेगा। मेरे बनो तो मैं तुम्हारी सब कामनायें पूरी कर दूँगा। तुम बच्चे जानते हो अभी हम सुखधाम में जाते हैं, *दु:खधाम को आग लगनी है इसलिए इससे अपना बुद्धियोग निकाल लेना है।*

उत्तर 15- *D.वर्सा देने के लिए*

बाप एडाप्ट करते हैं। *एडाप्ट किया ही जाता है कुछ वर्सा देने के लिए।* बच्चे माँ-बाप के पास आते ही हैं

वर्से की लालच पर। साहूकार का बच्चा कभी गरीब के पास एडाप्ट होगा क्या! इतना धन दौलत आदि सब छोड़ कैसे जायेंगे। एडाप्ट करते हैं साहूकार।

उत्तर 16- *D. A और B*

मनुष्य कोई 8-10 भुजा वाले होते नहीं। यह तो सिर्फ प्रवृत्ति मार्ग दिखाया है। रावण का भी अर्थ बताया है - आधाकल्प है रावण राज्य, रात। बाप ब्रह्मा द्वारा विष्णुपुरी की स्थापना करते हैं और तुमको राजयोग सिखाते हैं। जरूर संगम पर ही राजयोग सिखायेंगे। *द्वापर में गीता सुनाई, यह तो रॉंग हो जाता है।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (84) खण्ड - {168}

प्रश्न 1- तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य है -

A- खुद को आत्मा समझ बाप को याद करना

B- बाप की प्रत्यक्षता करना

C- पढ़ना और पढ़ाना

D- गीता का भगवान सिद्ध कर बताना

प्रश्न 2- अब बाप कहते हैं हमने इनमें प्रवेश किया है। तुम बच्चे कहते हो बापदादा। बाकी मनुष्य कहते हैं -

A- मात पिता

B- शिवशंकर

C- गॉड फादर

D- परमेश्वर

प्रश्न 3- याद से .....

A- सतोप्रधान बनेंगे

B- आयु भी बढ़ती है

C- वेल्थ बढ़ेगी

D- A और B

प्रश्न 4- खजानों की स्मृति से आत्मा ?

A- सन्तुष्ट हो जाती है

B- समर्थ बन जाती है, व्यर्थ समाप्त हो जाता है

C- भरपूर हो जाती है

D- सम्पत्तिवान बनती है

प्रश्न 5- कौन सबको प्यारे लगते हैं ?

A- जो स्वंय संतुष्ट रह सबको संतुष्ट करते हैं

B- सच्चा खुशबूदार फूल

C- जो बहुतों का कल्याण करेंगे वही

D- ज्ञान सागर तुमको रत्नों की थालियाँ भर-भर कर देते हैं, जो उसका दान करते हैं वही

प्रश्न 6- कौनसी अवस्था से ही तुम अनेक परीक्षाओं से पास हो सकते हो ?

A- फुल स्टाप लगाने से

B- अन्तर्मुखता

C- निर्विकारी बनने से

D- खुशमिज़ाज

प्रश्न 7- योग्य बनना है तो -

A- पढ़ाई कभी मिस न हो

B- हर कदम बाप के साथ हो

C- कर्म और योग का बैलेंस हो

D- एक भी संकल्प व्यर्थ न हो

प्रश्न 8- कैसे मालामाल बन जायेंगे ?

A- शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अनमोल

खजाना बना लो तो

B- हर शक्ति को कार्य में लगाओ तो

C- डायरेक्ट बाप के आगे अपना सब कुछ अर्पण करो तो

D- बाप द्वारा प्राप्त खजानों को बाँटते रहो तो

प्रश्न 9- बाप सभी झंझटों से छुड़ा देते हैं,फिर कोई लड़ाई कब तक नहीं होगी ?

A- 1250 वर्ष

B- 3000 वर्ष

C- 1200 वर्ष

D- कभी नहीं होगी

प्रश्न 10- बाप कहते हैं तुमने कितने जन्म विषय सागर में गोते खाये हैं ?

A- 50 - 60

B- 42

C- 63

D- 84

प्रश्न 11- पतित राजाओं के कितने वजीर होते हैं ?

A- दो, तीन

B- वजीर तो होते नहीं

C- एक

D- 3 से 4

प्रश्न 12- गीता में श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। श्री नारायण का नहीं डाला है। क्यों -

A- श्री कृष्ण का नाम बाला है

B- श्रीकृष्ण को भगवान समझते हैं

C- विश्व का मालिक है

D- श्रीनारायण के 84 जन्मों में से कुछ दिन कम कहेंगे

प्रश्न 13- किस पर कभी कोई कलंक नहीं लगाया है ?

A- लक्ष्मी-नारायण पर

B- राम-सीता पर

C- श्रीकृष्ण पर

D- शिव बाबा पर

प्रश्न 14- बाप कहते हैं बहुत मीठा तब बनेंगे जब -

A- याद में रहेंगे

B- सतयुग में

C- आत्मा पवित्र बनेगी

D- समझेंगे कि हम आत्मा हैं

प्रश्न 15- हॉस्पिटल में देखो तो नतफरत आती है। कर्मभोग कितना है। इन सब दुःखों से छूटने के लिए बाप कहते हैं।

A- दे दान तो छूटे ग्रहण

B- पवित्र बनो

C- ज्ञान इन्जेक्शन लगा लो

D- सिर्फ याद करो और कोई तकलीफ तुमको नहीं देता हूँ

प्रश्न 16- एक पण्डित की भी कथा है ना। बोला राम-राम कहने से सागर पार हो जायेंगे। ज्ञान अनुसार पण्डित अर्थात् -

A- बाप में संशय आने से विनश्यन्ती होने वाले

B- ज्ञानी तू आत्मा

C- बहुत याद करने वाले

D- A और B

E- A, B और C

भाग (84) खण्ड {168} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *C.पढ़ना और पढ़ाना*

तुम राजयोगी बच्चों का मुख्य कर्तव्य है पढ़ना और पढ़ाना। अब राजयोग कोई जंगल में थोड़ेही सिखाया जाता है। यह स्कूल है। ब्रांचेज निकलती जाती हैं। तुम बच्चे राजयोग सीख रहे हो। शिवबाबा से पढ़े हुए ब्राह्मण-ब्राह्मणियां सिखाते हैं। एक शिवबाबा थोड़ेही सबको बैठ सिखायेगा।

उत्तर 2- *B.शिवशंकर*

अब बाप पूछते हैं ज्ञान यज्ञ कृष्ण का है या शिव का है? शिव को परमात्मा ही कहते हैं, शंकर को देवता कहते

हैं। उन्होंने फिर शिव और शंकर को इकट्ठा कर दिया है। अब बाप कहते हैं हमने इनमें प्रवेश किया है। *तुम बच्चे कहते हो बापदादा। वह कहते हैं शिवशंकर।* ज्ञान सागर तो है ही एक।

उत्तर 3- *D. A और B*

मीठे बच्चे - "तुम सवेरे-सवेरे उठकर बहुत प्यार से कहो बाबा गुडमार्निंग, *इस याद से ही तुम सतोप्रधान बन जायेंगे,* अच्छी रीति प्यार से बाप को याद करेंगे तो आटोमेटिक्ली करेन्ट मिलेगी। हेल्दी बन जायेंगे। *करेन्ट से आयु भी बढ़ती है।* बच्चे याद करते हैं तो बाबा भी सर्चलाइट देते हैं।

उत्तर 4- *B.समर्थ बन जाती है,व्यर्थ समाप्त हो जाता है*

जो भी अनगिनत और अविनाशी खजाने मिले हैं उन खजानों को स्मृति में लाओ। खजानों को स्मृति में लाने से

खुशी होगी और जहाँ खुशी है वहाँ सदाकाल के लिए दुःख दूर हो जाते हैं। *खजानों की स्मृति से आत्मा समर्थ बन जाती है, व्यर्थ समाप्त हो जाता है।*

उत्तर 5- *D.ज्ञान सागर तुमको रत्नों की थालियाँ भर-भर कर देते हैं, जो उसका दान करते हैं वही*

बाप कहते हैं मीठे बच्चे जितना तुम बहुतों का कल्याण करेंगे उतना तुमको ही ऊजूरा मिलेगा। बहुतों को रास्ता बतायेंगे तो बहुतों की आशीर्वाद मिलेगी। ज्ञान रत्नों से झोली भरकर फिर दान करना है। *ज्ञान सागर तुमको रत्नों की थालियाँ भर-भर कर देते हैं, जो उसका दान करते हैं वही सबको प्यारे लगते हैं।*

उत्तर 6- *B.अन्तर्मुखता*

तुम हरेक व्यक्तिगत पुरुषार्थी हो, तुम अपने तरफ नज़र रख आगे दौड़ते रहो, कोई भल क्या भी करता रहे परन्तु मैं अपने स्वरूप में स्थित रहूँ, अन्य किसी को न

देखूँ। अपने बुद्धि योगबल से मैं उसकी अवस्था को जान लूँ। *अन्तर्मुखता की अवस्था से ही तुम अनेक परीक्षाओं से पास हो सकते हो।*

उत्तर 7- *C.कर्म और योग का बैलेंस हो*

स्लोगन:- *योग्य बनना है तो कर्म और योग का बैलेन्स रखो।*

उत्तर 8- *A.शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अनमोल खजाना बना लो तो*

स्लोगन:- *शुद्ध संकल्पों को अपने जीवन का अनमोल खजाना बना लो तो मालामाल बन जायेंगे।*

उत्तर 9- B. *3000 वर्ष*

यहाँ तो देखो कितने मिनिस्टर्स हैं। आपस में लड़ते रहते हैं। बाप सभी झंझटों से छुड़ा देते हैं। *3 हज़ार वर्ष

फिर कोई लड़ाई नहीं होगी।* जेल आदि नहीं रहेगा। कोर्ट आदि कुछ नहीं होगा। वहाँ तो सुख ही सुख है। इसके लिए पुरुषार्थ करना है।

उत्तर 10- *C. 63*

अभी तुमको ईश्वरीय मत पर चलना चाहिए। *बाप कहते हैं 63 जन्म तुमने विषय सागर में गोते खाये हैं।* बच्चों से बात करते हैं। बच्चों को ही बाप सुधारेंगे ना। सारी दुनिया को कैसे सुधारेंगे। बाहर वालों को कहेंगे बच्चों से समझो। बाप बाहर वालों से बात नहीं कर सकते।

उत्तर 11- *C.एक*

यह एक अन्तिम जन्म पवित्र रहो तो स्वर्ग के मालिक बनेंगे। अपने लिए ही मेहनत करते हैं। दूसरा कोई स्वर्ग में आ नहीं सकता। यह तुम्हारी राजधानी स्थापन हो रही है। इसमें सब चाहिए ना। वहाँ वजीर तो होते नहीं।

राजाओं को राय की दरकार नहीं। *पतित राजाओं को भी एक वजीर होता है।*

उत्तर 12- *D.श्रीनारायण के 84 जन्मों में से कुछ दिन कम हैं*

यह भी तुम लिख सकते हो, गीता में भूल करने से ही भारत का यह हाल हुआ है। पूरे 84 जन्म लेने वाले श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। *श्री नारायण का भी नहीं डाला है। उनके फिर भी 84 जन्मों में से कुछ दिन कम कहेंगे ना।* श्रीकृष्ण के पूरे 84 जन्म होते हैं।

उत्तर 13- *A.लक्ष्मी-नारायण पर*

सतयुग के सूर्यवंशी पहले नम्बर में हैं, चन्द्रवंशी सेकण्ड नम्बर हो गये। यह लक्ष्मी-नारायण बहुत प्रिय लगते हैं। इन लक्ष्मी-नारायण के फीचर्स और राम-सीता के फीचर्स में बहुत फ़र्क है। *इन लक्ष्मी-नारायण पर

कभी कोई कलंक नहीं लगाया है।* श्रीकृष्ण पर भूल से कलंक लगाये हैं, राम-सीता पर भी लगाये हैं।

उत्तर 14- *D.समझेंगे कि हम आत्मा हैं*

बाप कहते हैं बहुत मीठा तब बनेंगे जब समझेंगे कि हम आत्मा हैं। आत्मा समझ बाप को याद करने में बहुत मज़ा है। जितना याद करेंगे उतना सतोप्रधान, 16 कला सम्पूर्ण बनेंगे। 14 कला फिर भी डिफेक्टेड हुआ फिर और डिफेक्ट होती जाती है। 16 कला परफेक्ट बनना है।

उत्तर 15- *D.सिर्फ याद करो और कोई तकलीफ तुमको नहीं देता हूं*

बाप कहते हैं तीन पैर पृथ्वी पर तुम यह ईश्वरीय युनिवर्सिटी, ईश्वरीय हॉस्पिटल खोलो जिसमें मनुष्य 21 जन्मों के लिए आकर शफा पायेंगे। यहाँ तो कैसी-कैसी बीमारियां होती हैं। बीमारी में कितनी बांस हो जाती है।

हॉस्पिटल में देखो तो नफरत आती है। कर्मभोग कितना है। *इन सब दु:खों से छूटने के लिए बाप कहते हैं - सिर्फ याद करो और कोई तकलीफ तुमको नहीं देता हूँ।*

उत्तर 16- *D. A और B*

किसको थोड़ा समझाया - इसमें बाबा खुश नहीं होते। *भल ज्ञानी तू आत्मा हैं। समझानी अच्छी है परन्तु योग है नहीं, दिल पर नहीं चढ़ते।* याद में ही नहीं रहते तो दिल पर भी नहीं चढ़ते।एक पण्डित की भी कथा है ना। बोला राम-राम कहने से सागर पार हो जायेंगे। यह दिखाते हैं - निश्चय में ही विजय है। *बाप में संशय आने से विनशन्ती हो जाते हैं।*